भारत सरकार

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1954

जिसका उत्तर 5 दिसम्बर, 2019 को दिया जाना है।

14 अग्रहायण, 1941 (शक)

इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण क्लस्टरों की स्थापना किया जाना

1954. श्री बीरेन्द्र कुमार बैश्य :

क्या इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने असम के कामरूप जिले में इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण क्लस्टरों की स्थापना करने के लिए मंजूरी दी है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस कदम के पीछे लक्ष्य और उद्देश्य क्या हैं;

(ग) क्या सरकार द्वारा आईटी/आईटीईएस क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहित करने और रोजगार के अवसरों का सृजन करने के लिए कोई कदम उठाए गए हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा पूर्वोत्तर क्षेत्र को देश के एक पंसदीदा आईटी गंतव्य के रूप में बढ़ावा देने के लिए कौन से अन्य कदम उठाए हैं ?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री (श्री रवि शंकर प्रसाद)

(क) और **(ख)** : इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) ने इलेक्ट्रॉनिकी प्रणाली डिजाइन और विनिर्माण (ईएसडीएम) के क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने के लिए वैश्विक स्तर की अवसंरचना के सृजन को सहायता देने लिए इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण क्लस्टर (ईएमसी) योजना अधिसूचित की है। ईएमसी योजना के तहत मंत्रालय ने भारत सरकार के 50.00 करोड़ रू. के सहायता अनुदान सहित 119.85 करोड़ रू. की परियोजना लागत के साथ असम राज्य में बोंगोरा गांव, पलासबरी सर्कल, कामरूप जिला में 100 एकड़ के क्षेत्र पर ग्रीनफील्ड इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण क्लस्टर (ईएमसी) की स्थापना हेतु अनुमोदन दिया है।

(ग) और (घ) : डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के तहत इस मंत्रालय ने आईटी/आईटीईएस क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहन देने और पूर्वोत्तर क्षेत्र सहित देशभर के छोटे शहरों में बीपीओ/आईटीईएस प्रचालनों की स्थापना कर स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने हेतु भारत बीपीओ संवर्धन योजना (आईबीपीएस) और पूर्वोत्तर बीपीओ संबर्धन योजना (एनईबीपीएस) अधिसूचित की है । आईबीपीएस और एनईबीपीएस के अंर्तगत देश के 119 छोटे शहरों में 297 बीपीओ/आईटीईएस युनिटों की स्थापना करने के लिए 206 पात्र कंपनियों को 52972 सीटें आबंटित की गई हैं। इनमें से 257 युनिटों ने 48519 सीटों के लिए प्रचालन प्रारंभ कर दिए हैं और 32749 व्यक्तियों को रोजगार दिए हैं।

******